



# भारत का राजपत्र



भारत सरकार

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३। नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी १६, १९९९ (पौष २६, १९२०)  
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 16, 1999 (PAUSA 26, 1920)

इस भाग में भिन्न पूछ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

पार्ट I—खण्ड 1—	(राजा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यापालयों द्वारा जारी की गई विधिवाचन नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकलनों से संबंधित प्रविष्टुतानाएं	पृष्ठ	पार्ट II—खण्ड 3—उत्तराधि (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (दिनांक राजा मंत्रालय भी शामिल है) और लेन्ड्रिंग प्राविधिकरणों (तथा शासित बोर्डों के प्रशासनों जो छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य विधिवाचन नियमों और सामिक्षिक व्यापालयों (विनां वामां राज्य को उत्तराधिकारी भी शामिल हैं) के विश्वी प्रतिक्रियताएं (हिस्से व्यापालय के राज्यपाल के खण्ड 3 में लिखे होते हैं)	पृष्ठ
पार्ट I—खण्ड 2—	(राजा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यापालयों द्वारा जारी की गई शरकारी व्याधिकारियों की विधिवाचनों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में प्रविष्टुतानाएं	33		
पार्ट I—खण्ड 3—	राजा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और व्याधिविधिक व्यावेशों के संबंध में व्याधिवृत्तानाएं	27		
पार्ट I—खण्ड 4—	टैक्स मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी व्याधिविधियों को नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में प्रविष्टुतानाएं	1		
भाग II—खण्ड 1—	व्याधिविधिक, व्यापालय और विधिवाचन व्यापालयों का	71		
भाग II—खण्ड 1—	व्याधिविधिक, व्यापालय और विधिवाचन व्यापालयों का द्वितीय वाया में प्रविष्टुत पाठ	*		
भाग II—खण्ड 2—	विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर विनियमों के बिन तथा रिपोर्ट	*		
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिकरणों (संघ वासित बोर्डों के प्रशासनों का छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सामिक्षिक विद्यम (जिसमें सामान्य स्वरूप के प्रारंगन और उपविधियों आदि भी शामिल हैं)	*			
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (राजा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिकरणों (संघ वासित बोर्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामिक्षिक व्यावेश और प्रविष्टुतानाएं	*			
भाग III—खण्ड 3—	मुख्य व्यापालयों के प्राविधिकर के अधीन अधिकार द्वारा जारी की गई प्रविष्टुताएं	93		*
भाग III—खण्ड 4—	विधिवाचन व्यापालय द्वारा जारी की गई अधिकृताएं, विधायिक विधायन और नोटिंग शामिल हैं	29		
भाग IV—	गैर-शरकारी व्यापालयों और गैर-शरकारी विधायिक विधायन और नोटिंग			9
भाग V—	अप्रेजी और द्वितीय दोनों में क्रम और मूल्य के आंकड़ों को बताने वाला सम्पूरक			*

## CONTENTS

PAGE

PAGE

**PART I—SECTION 1**—Notifications relating to Non-Statutory Rules. Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .

33

**PART I—SECTION 2**—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .

27

**PART I—SECTION 3**—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .

1

**PART I—SECTION 4**—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .

71

**PART II—SECTION 1**—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .

\*

**PART II—SECTION 1-A**—Authoritative texts in Hindi Languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .

\*

**PART II—SECTION 2**—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .

\*

**PART II—SECTION 2—SUB-SECTION (i)**—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .

**PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)**—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .

**PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)**—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 of Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .

**PART II—SECTION 4**—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .

**PART III—SECTION 1**—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .

51

**PART III—SECTION 2**—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .

93

**PART III—SECTION 3**—Notifications issued by or under the authority of Calcutta Commissioners . . . . .

**PART III—SECTION 4**—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .

29

**PART IV**—Advertisements and Notices issued by private Individuals and private Bodies . . . . .

9

**PART V**—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc., both in English and Hindi . . . . .

## भाग I—खण्ड 1

## (PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चसम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिसंरचनाएँ, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से संबंधित अधिसूचनाएँ

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

खात्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय  
ख. य और नागरिक पूर्ति विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1998  
संकेत

सं. ई-11014/6/97-हिन्दी :—भारत सरकार ने खात्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय के खात्य और नागरिक पूर्ति विभाग तथा शर्करा और ख. य तेन विभाग से संबंधित विषयों पर हिन्दी में मौतिः पुस्तकों लिखने वाले लेखकों को पुरस्कार प्रदान करने के लिए एक योजना आरम्भ करने का निश्चय किया है। इस योजना की मुख्य मुद्दा वर्तमान निम्न नुसार है :—

## 1. योजना का नाम

इस योजना का नाम “ख. य और नागरिक पूर्ति विभाग पुरस्कार योजना” होगा।

## 2. योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य ख. य और नागरिक पूर्ति विभाग तथा शर्करा और ख. य तेन विभाग के कार्यसेवा में अनेक लेखकों विषयों पर हिन्दी में मौतिः पुस्तकों लिखने के लिए भारत के लेखकों को प्रोत्तरीकरण करना है।

## 3. पुरस्कार की राशि

इस योजना के अधीन मौतिः पुस्तकों हिन्दी में लिखने के लिए निम्नलिखित पुरस्कार दिया जाएगा :—

प्रथम पुरस्कार	: : 20,000 रुपये
द्वितीय पुरस्कार	: 16,000 रुपये
तृतीय पुरस्कार	: 10,000 रुपये

## 4. मुख्य विशेषज्ञान

4.1 इस योजना का संबान्ध ख. य और नागरिक पूर्ति विभाग द्वारा किया जाएगा।

4.2 पुरस्कार वर्ष 1998 से अरम्भ होंगे और प्रत्येक दो विषयों में एक वार पुरस्कार दिया जाएगा।

4.3 लेखकों को अपने अवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में भेजने होंगे। उन्हें अपने अवेदन पत्र के साथ आपनी पुस्तक या पौड़ुलिपि की 5 प्रतियाँ अंतिम तारीख अर्थात् 15 अक्टूबर, 2000 तक संपूर्ण सचिव (प्रशसन), ख. य और नागरिक पूर्ति विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली को भेजनी होंगी। इस प्रकार भेजी गई पुस्तकों/पौड़ुलिपियों की प्रतियाँ लीट ई नहीं जाएंगी। ऐसी किसी पुस्तक इथरवा पौड़ुलिपि को विचार र्थ स्वीकार नहीं किया जाएगा जिसकी पृष्ठाएँ संष्कृत होंगी। क्रमशः 100 अधिक 150 से कम होंगी।

## 5. योजना में भाग लेने के लिए पात्रता

5.1 ये पुरस्कार भारतीय लेखकों के लिए होंगे जिनसे एक से अधिक लेखकों द्वारा लिखे गई पुस्तकों के सम्बादक शामिल नहीं होंगे।

5.2 लेखकों को अवेदन पत्र के साथ अपने प्रकाशित मंथ अथवा पौड़ुलिपि की सफ टाइप की गई प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। सफ टाइप न को गई प्रतियों को अस्वीकार किया जा सकता है।

5.3 पाठ्य पुस्तकों अर्थात् सभी पुस्तकों जिन्हें विशिष्ट रूप से कक्षाओं में पढ़ने के लिए तैयार किया गया है तथा बच्चों के लिए लिखे गई पुस्तकों को इन प्रतियों द्वारा अस्वीकार किया जाएगा।

5.4 जिन पुस्तकों को भारत सरकार या राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के प्रशसन की किसी योजना के अधीन एक वार पुरस्कार दिया जाएगा होगा। उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा।

5.5 कोई भी लेखक पुरस्कार के लिए एक से अधिक प्रविष्टियाँ भेज सकता है, लेकिन संदर्भानुसार दो वर्षों की अवधि में एक लेखक को एक से अधिक पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

5.6 यदि संदर्भानुसार दो वर्षों की अवधि में किसी भी पुस्तक या पौड़ुलिपि को पुरस्कार के योग्य नहीं समझा गया, तो उस अवधि के लिए विभाग द्वारा पुरस्कार की घोषणा नहीं की जाएगी।

५.७ अच्छे स्तर की अंग्रेजी या बूँदीरी जैसी भाषा में लिखी वैश्विक तथा तरनीकी विषयों को पुस्तक, जिनका इस विभाग के काम से संबंध हो, का उच्च स्तर का अनुवाद करने के लिए भी में प्रक्रिया की गई पुस्तकों को भी इस पुस्तकार्योंना में शामिल किया जाएगा।

५.८ जो लेखक पुस्तकार के विचारार्थ अपनी पुस्तक प्रस्तुत करेगा, उसका नामोरैट समाप्त नहीं होगा।

५.९ पुरस्कारों के वितरण के लिए विभाग स्वयं उत्तमता तारीख और समय का निर्धारण करेगा और पुरस्कार प्रदान करने से पर्याप्त समय पहले पुरस्कार प्राप्त वर्षे लेखकों को इसकी मूल्यना देगा।

५.१० जिन भौतिक पुस्तकों को इस पुरस्कार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा उनको पुरस्कार के वर्ष से छोड़ते हो वर्षों में प्रशंसित ही राचाहिए।

५.११ पुरस्कार संबंधी सभी मामलों में विभाग का विर्णव अंतिम और अबद्धतर होगा, और इस संबंध में कोई पक्ष अवहमत नहीं किया जाएगा।

५.१२ खदा और नागरिक पूँजि विभाग की इस योजना में संशोधन करने का अधिकार होगा।

## ६. मूल्यांकन समिति

६.१ पुरस्कार देने के लिए पुस्तकों/पाइलिपियों का चयन विभाग में गठित की गई मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। इस मूल्यांकन समिति में अध्यक्ष को मिलाकर रुप ६ सदस्य होंगे। यदि अबद्धक समझा गया तो अतिरिक्त सदस्य को सहयोगित किया जा सकेगा।

## MINISTRY OF FOOD & CONSUMER AFFAIRS

(Department of Food & Civil Supplies)

New Delhi, the 4th December 1998

## RESOLUTION

No. E-11014/6/97-Hindi.—The Government of India in the Ministry of Food & Consumer Affairs, Department of Food & Civil Supplies and Department of Sugars & Edible Oils have decided to introduce a scheme for awarding cash prizes to those writers who write original books in Hindi on the subject concerning the Department. The main features of the scheme are as under:—

### 1. NAME OF THE SCHEME

The scheme will be called "KHADYA AUR NAGRIC PURTI VIBHAG PURASKAR YOJNA".

### 2. OBJECTIVES OF THE SCHEME

The scheme aims at encouraging Indian authors to write original books in Hindi on the subjects concerning the Department of Food & Civil Supplies and Department of Sugar & Edible Oils.

### 3. VALUE OF THE AWARD

६.२ मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष विभिन्न विषयों में विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल दर सेह है, लेकिन इस प्रकार शामिल किए गए सदस्य की हस्तियत केवल सजाहार की होगी।

६.३ यदि मूल्यांकन समिति वा कोई सदस्य इस पुरस्कार योजना में शामिल होना चाहता है तो वह उस अवधि वे लिए मूल्यांकन समिति वा सदस्य नहीं होगा।

६.४ मूल्यांकन समिति द्वारा लिया गया फैला अंतिम और हर विहं ज से बद्ध न होगा और उसका खिलाफ कोई अपील नहीं की जा सकेगी।

६.५ इस समिति का कार्यकाल हस्ते गठन की तारीख से दो वर्ष क. होगा।

६.६ मूल्यांकन समिति के गैयापरामी सदस्यों को नियम नुसार यात्रा/दैनिक भासे प्रशान निए जाएंगे।

अन्त्रेश विद्या जाता है कि इस समालय की एक-एक प्रति भौतीय यह संरक्षणों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तक विभिन्नों, संघ वासित प्रदेशों के प्रभागों और समाजकर अभिनवणों को भेजी जाएं।

यह भी अवेद्य किया जाता है कि यह साल आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रक्रिया किया जाए।

बलबीर फिर  
संपूर्ण सचिव,

The following prizes will be awarded for original works in Hindi under the scheme:—

FIRST PRIZE	Rs. 20,000/-
SECOND PRIZE	Rs. 16,000/-
THIRD PRIZE	Rs. 10,000/-

### 4. SALIENT FEATURES

4.1 The scheme will be operated by the Department of Food & Civil Supplies.

4.2 Prizes will commence from 1998 and will be awarded once in two calendar years.

4.3 The authors will be required to submit their applications in the prescribed forms alongwith 5 copies of their book(s) or manuscripts(s) to the Joint Secretary(A), Department of Food & Civil Supplies, Krishi Bhawan, New Delhi by the stipulated date i.e. 15th January, 2000. Copies of the books/manuscripts so submitted will not be returned to the authors. Books and manuscripts will not be considered which contain less than 100 and 150 pages respectively.

### 5. ELIGIBILITY FOR PARTICIPATION IN THE SCHEME

5.1 The award is open to Indian authors and Editors of multi-authors books will not be included.

5.2 Authors are required to submit their published books or copies of clearly typed manuscripts alongwith their applications. The illegibly typed copies of the manuscripts are likely to be rejected.

5.3 The text books, i.e. the books prepared especially for class room instructions and books intended for children will not be eligible for competition under the scheme.

5.4 The books once awarded a prize under any other scheme run by the Government of India or a State Government or Administration or the Union Territory shall be ineligible for entry under this scheme.

5.5 Any author may submit more than one entry for the award of the prize. No author shall, however, be entitled to the award for more than one prize under the scheme in any particular block of two years.

5.6 The award of the prize/prizes shall be withheld if no book/manuscript is adjudged to qualify for the award of prize during the prescribed period of two years.

5.7 Translated books of good standard on scientific and technical subjects written in English or some other language will also be considered for awards provided their subject matter pertain to the work in the Ministry/Department concerned and translation are of good standard.

5.8 The author who submits his book for being considered for the award of a prize shall not lose his copyright therein.

5.9 The Department of Food & Civil Supplies will itself fix the date and time for the distribution of awards and inform the award recipients in good time prior to the presentation of awards.

5.10 The original work will be required to have been published within the preceding two years including the year of award.

5.11 The decision of the Department will be final and binding in respect of the scheme and no correspondence will be entertained in this regard.

5.12 The Department of Food & Civil Supplies will have right to modify this scheme.

#### 6. EVALUATION COMMITTEE

6.1 There will be an Evaluation Committee constituted in the Department for selection of the books/manuscripts for award of prizes. The Evaluation Committee shall consist of SIX members including the Chairman. The additional members may be co-opted, if considered necessary.

6.2 The Chairman of the Evaluation Committee may associate with the Committee, the experts in the respective disciplines. The capacity of the experts so associated will only be advisory.

6.3 If any member of the Evaluation Committee wishes to participate in the prize scheme, he will cease to be a member of the Evaluation Committee for that particular period.

6.4 The decision taken by the Evaluation Committee shall be final and binding in all respects and no appeal thereof shall lie to any authority.

6.5 The tenure of the Committee will be for a period of two years from the date of its constitution.

6.6 Non-official members of the Evaluation Committee will be entitled to TA/DA, as admissible under the rules.

#### ORDER

ORDERED that a copy each of this resolution be sent to all State Governments, Union Territories, all the Ministries and Departments of the Government of India and News Agencies.

ORDERED also that this resolution be published in the Gazette of India for general information.

BALBIR SINGH  
Jt. Secy.

